

काउंट डाउन शुरू!

सामना संवाददाता / मुंबई

बांद्रा स्थित बीकेसी में तैयार होनेवाले बुलेट ट्रेन टर्मिनस निर्माण का काउंट डाउन शुरू हो गया है। टर्मिनस का निर्माण कार्य मार्च २०२० में शुरू होने का अनुमान लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार धीरे-धीरे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के निर्माण की प्रक्रिया रफ्तार पकड़ रही है। साथ ही भूमि अधिग्रहण भी दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। इस परियोजना को दिसंबर २०२३ तक नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

मुंबई-अमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर परियोजना की कुल लंबाई ५०८ किमी है। इस परियोजना के लिए १,३८० हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है। इसमें से ९९९ हेक्टेयर भूमि निजी मालिकाना हक की है, इनमें से २७४.६ हेक्टेयर जमीन महाराष्ट्र में होने के साथ ही २९७ गांवों में से १८३ गांवों में सर्वे पूरा हो गया है। एनएचआरसीएल के अधिकारियों का कहना है कि विक्रोली के गोदरेज कंपनी की जमीन की समस्या का समाधान कर लिया गया है। इस योजना के लिए लगनेवाली सारी जमीनें इस साल के अंत तक कब्जे में लिए जाने का दावा अधिकारी कर रहे हैं। इस परियोजना को ८ चरणों में पूरा किया जाएगा। इनमें से कुछ चरणों के काम के लिए निविदा भी जारी कर दी गई है। बीकेसी में तैयार होनेवाला

● बीकेसी में बनेगा बुलेट स्टेशन ● मार्च २०२० में शुरू होगा काम

बुलेट ट्रेन टर्मिनस अंडरग्राउंड होने के साथ ही टर्मिनस के ऊपर ९६ मीटर ऊंचा अंतरराष्ट्रीय फाइनेंस सेंटर खड़ा किया जाएगा। अधिकारियों का यह भी कहना है कि बुलेट ट्रेन टर्मिनस की पार्किंग अंडरग्राउंड होने के कारण राज्य सरकार को भी अंतरराष्ट्रीय फाइनेंस सर्विस सेंटर के लिए पार्किंग की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में इस विषय पर चर्चा जारी है। इसके अलावा बुलेट ट्रेन टर्मिनस और मेट्रो स्टेशन के बीच करीब आधे किमी की दूरी है। दोनों स्टेशनों को किस प्रकार जोड़ना है? कौन कितना पैसा दो स्टेशनों को जोड़ने के लिए खर्च करेगा? इस पर विचार-विमर्श जारी है। बुलेट ट्रेन के कुल १२ स्टेशन होंगे। जिसमें से ४ स्टेशन महाराष्ट्र में होंगे। फास्ट बुलेट ट्रेन वडोदरा और सूरत स्टेशन पर ही रुकेगी जबकि स्लो बुलेट ट्रेन सभी स्टेशनों पर रुकेगी। बुलेट ट्रेन ३२०

किमी प्रति घंटा की रफ्तार से मुंबई से अमदाबाद की दूरी महज २ घंटे ५० मिनट में तय करेगी। फिलहाल बुलेट ट्रेन के पायलट की ट्रेनिंग जापान और वडोदरा में चल रही है।

